रात्रीक्लास ओमशांति 16–7–67

बाबा ने सुबह को समझाया था कि गीता के भगवान वाला जो चित्र है वह बहुत जरूरी है। वह अखबारों में भी जाना चाहिए। एरोप्लेन से भी गिराना चाहिए और पतित–पावन शिव परमात्मा है न कि पानी की गंगा। दूसरा भी चित्र शिव और शंकर अलग है। वह निराकार है। वह आकारी है। इसमें भी मुख्य गीता पर मदार है। भारत में गीता पढ़ते2 पतित बने हैं। बाप आय पावन बनाते हैं। कहते हैं तमोप्रधान से सतोप्रधान बनने लिए पतित–पावन बाप को याद करने से पावन बन जावेंगे। बाप राजयोग भी सिखलाते हैं। ऐसे2 चित्र अच्छी बनानी चाहिए और फिर यह भी समझाना है ज्ञान ,भक्ति फिर है वैराग्य। ज्ञान का सागर है शिव। उनकी सारी महिमा भी दिखाते हैं। भक्ति में ज्ञान नहीं। शास्त्र आदि पढ़ना भक्तिमार्ग है। वह भी शार्ट में समझाना है। योग की भी युक्ति। बाप जो ज्ञान सागर है वह कहते हैं मुझे याद करो तो पाप नाश हो जावेंगे। तुम सदगति को पावेंगे। सर्व का सदगति दाता एक ही है। सदगति संगम पर ही होती है। तो जरूर सभी दुर्गति में हैं। सदगति दाता है ही एक जो संगम पर आय सभी की सदगति करते हैं। नई दुनियां में है ही सदगति। एक ही धर्म है। यह अच्छी रीति बुद्धि में रखना है। अखबारें तो बहुत निकलती हैं। समझाने वाला भी बड़ा अच्छा है। इनसे बहुतों का कल्याण होना है। ऐस2 विचार कर और फिर लिखना चाहिए। लिखेंगे फिर करेक्ट करेंगे। सेमिनार भी कर रहे हैं सर्विस को बढ़ाने लिए। बाप भी बहुत राय देते रहेंगे। ऐसे युक्ति से कदम उठाए गीता का भगवान शिव है न कि कृष्ण। यह बड़ा युक्ति से लिखो। नम्बरवन बात यह है। पतित–पावन बाप है। सर्व का सदगति दाता एक शिव है। गीता का भगवान कृष्ण नहीं है। यह सब अच्छी रीति धारण करना है। यह है तन्त। फिर तुमको भाषण आदि करनी है। तुमको बुलावेंगे। ऐसे2 मौके आते हैं ;परंतु तैयार न होने कारण अगड़म–बगड़म बोल देते हैं। युक्तियुक्त सर्विस नहीं होती। यह प्वाइंट्स बहुत मुख्य अच्छी है। नम्बरवन है गीता की बात। बाप कहते हैं साधुओं का भी उद्धार मैं करता हूँ। जो सर्विस पर निश्चयबुद्धि हैं जानते हैं बरोबर दुनियां बदलनी है। ऐसे2 विचार कर लिखो। फिर बाबा को भेजो तो बाबा करेक्ट करेंगे। यह सब राय सेमिनार में भी जाय। बाबा प्वाइंट्स सुनाते बहुत हैं। बच्चों के पास भी प्वाइंट्स नोट होंगी। ज्ञान आधा कल्प ,भक्ति आधा कल्प। फिर है वैराग्य। बाप कहते हैं मामेकम् याद करो। मेहनत कर लिख कर आओ। महारथी ही लिखेंगे। तो बाबा भी समझे महारथी है। देही अभिमानी बनने का पुरुषार्थ करते हैं। याद का जौहर जरूर चाहिए। बाप से तुम शक्ति लेते हो ना। इसलिए गाये हुये हो शिवशक्ति सेना। बाप तो सावधान करेंगे ना। भल जानते हैं ड्रामा अनुसार जैसे कल्प पहले पुरुषार्थ चला था ,वह ही चलेगा। बच्चों को बड़ी मेहनत करनी है। लिखत जिनके आवेंगे तो बाबा मुरली में सुनावेंगे।फलाने2 ने कुछ नहीं लिख भेजा। सिद्ध होता है गपोड़े मारते रहते हैं।बाबा देखेंगे कौन विचार–सागर–मंथन करते हैं,कौन टाइम वेस्ट करते हैं।एक बात में तुमने विजय पाई तो सारी दुनियां में नाम हो जावेगा। चकित हो जावेंगे।दुनियां बदल रही है।बाप जरूर होगा।तुम बच्चों में भी बहुत थोड़े हैं जो जानते होंगे।कचहरी में कोई झूठ भी बोलते होंगे।सच न बोलने से बीमारी बढ़ती जावेगी। ओम।

प्वाइंट– कुमारी शादी से पहले पवित्र है तो पूज्य है। फिर शादी कर अपवित्र बनती है तो पुजारी बन जाती है। यहां सब हैं ही पुजारी। सतयुग में सब होते हैं पूज्य। बच्चों को सब समझानी मिलती रहती है। कुछ भी तूफान आये तो बाप की याद में महिमा करने बैठ जाओ। बैठने से बड़ी खुशी होती है।प्रैक्टिस है ना।सुबह को बहुत अच्छा है।वह असर दिन को भी रहेगा।हमको बाप पढ़ाते हैं।हम पढ़कर नर से नारायण बनते हैं।बच्चियां बड़ा इम्तिहान पास करती हैं तो खुश होती हैं ना।तुमको तो बहुत खुशी होनी चाहिए।हमको भगवान पढ़ाते हैं।शास्त्रों में भी है राजयोग सिखाया था।कल्प2 हम सीखते हैं। कोई नई बात नहीं।यह खेल सारा बना हुआ है।कलियुग के बाद सतयुग होगा।चक्र फिरता रहता है। ओम।